

Joy of Giving @ SBPS

The power of giving is greater than the joy of receiving. To experience the real joy of giving, the students contributed for the treatment of a student of our school suffering from Nephrotic Syndrome. The students went to Marwari Arogya Bhawan and distributed basic items of everyday use to the needy people of the neighbourhood. They also went to Karuna Orphanage where they distributed items of daily use. They also spent quality time with the inmates who were mostly of their age groups and played games with them. Students went to various other organisation/institution like Guru Nanak Home for Handicapped children in Bariatu, an orphanage- Adim Jati Seva Mandal in Niwaranpur, Apna Ghar old age home and also visited Rajkriyakrit Utkramit Madhya Vidyalaya, Ara for the same purpose. The students of Rajkiya Utkramit Madhya Vidyalaya, Mahilong were invited at SBPS and presented gifts by the Principal, Mrs Paramjit Kaur. Through these activities, students learn the importance of sharing and enjoying the joy of giving.

School Head Personnel & Admin., Dr. Pradip Varma, appreciated the contribution of the students for various noble causes on the occasion of Joy of Giving.

Principal, Mrs. Paramjit Kaur, also lauded the willful contribution of the students on the occasion of Joy of Giving and she also encouraged them to always extend a helping hand to the community for global sustenance and prosperity.

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में जॉय ऑफ गिविंग

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जॉय ऑफ गिविंग का आनंद उठाते हुए अपने सामाजिक कर्तव्यों का निर्वाह किया। देने की वास्तविक खुशी का अनुभव करने के लिए छात्रों ने नेफ्रोटिक सिंड्रोम से पीड़ित विद्यालय के एक छात्र के इलाज के लिए योगदान दिया। छात्रों ने मारवाड़ी आरोग्य भवन जाकर आस-पड़ोस के जरूरतमंद लोगों एवं करुणा अनाथालय में दैनिक उपयोग की वस्तुएं वितरित की। उन्होंने सबके साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताया, जो ज्यादातर उनके आयु वर्ग के थे। उन्होंने उनके साथ कुछ खेल भी खेले। छात्र कई अन्य संगठनों/संस्थाओं जैसे विकलांग बच्चों से मिलने बरियातू स्थित गुरु नानक गृह तथा निवारणपुर स्थित अनाथालय— आदिम जाति सेवा मंडल, 'अपना घर' वृद्धाश्रम गए। छात्रों ने उत्कर्मित मध्य विद्यालय, आरा में पढ़ने वाले छात्रों को उपहार प्रदान किया। राजकीय उत्कर्मित मध्य विद्यालय, महिलौंग के विद्यार्थियों को विद्यालय में आमंत्रित किया गया तथा प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर द्वारा उपहार दिया गया।

इन गतिविधियों के माध्यम से, छात्र साझा करने का महत्व सीखते हैं और देने की खुशी का आनंद लेते हैं।

विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने जॉय ऑफ गिविंग के अवसर पर विभिन्न महान कार्यों के लिए छात्रों के योगदान की सराहना की।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने भी जॉय ऑफ गिविंग के अवसर पर छात्रों के दृढ़ योगदान की सराहना की और उन्हें विश्व के भरण-पोषण और समृद्धि के लिए हमेशा मदद का हाथ बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।





